हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

29 जुलाई, 1998

खण्ड 2, अंक 7

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 29 जुलाई, 1998

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(7)1
वाक आउट	(7)13
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(7)13
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(7)18
विभिन्न मामलों/ध्यानाकर्शण प्रस्तावों की सूचनाओं, नियम 84 के अधीन प्रस्ताव का उठाना	(7)21
वाक आउट	(7)22
विभिन्न मामलों/ध्यानाकर्शण प्रस्तावों की सूचनाओं, नियम 84 के अधीन प्रस्ताव का उठाना (पुनरारम्भ)	(7)23
सदस्य का नाम लेना	(7)25
वाक आउट	(7)25
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(7)26

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(7)26
वाक आउट	(7)26
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(7)27
विधान कार्य:–	
1. हरियाणा विनियोग (सं 3) विधेयक, 1998	(7)27
2. हरियाणा विनियोग (सं 4) विधेयक, 1998	(7)29
वाक आउट	(7)32
हरियाणा विनियोग (सं 4) विधेयक, 1998 (पुनरारम्भ)	(7)32
3. हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष वेतन तथा भर्ती (सं ाोधन) विधेयक, 1998	(7)32
4. हरियाणा मंत्री वेतन और भत्ता (सं ाोधन) विधेयक, 1998	(7)34
5. हरियाणा विधान सभा (सदस्य–सुविधा) सं ाोधन विधेयक, 1998	(7)36
6. हरियाणा विधान सभा (सदस्य भत्ता तथा पैं ान) सं ाोधन विधेयक, 1998	(7)37

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 29 जुलाई, 1998

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब क्वै चन्ज होंगें।

Upgradation of Schools of Sub Divisions Charkhi Dadri

***759. Sh. Sat Pal Sangwan:** Will the Minister for Education be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government Schools for Boys and Girls of Sub Division Charkhi Dadri; and

(b) if so, the time by which the schools as referred to in part (a) above are likely to be upgraded?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा) :

(क) जी नहीं।

(ख) प्र न ही पैदा नहीं होता।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूँ कि सब डिविजन चरखी दादरी से 200 लड़कियां बाहर पढ़ने जाती हैं, इसलिए सब डिविजन चरखी दादरी के लड़के और लड़कियों के लिए स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में सरकार को विचार करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, दादरी के विद्यार्थी बड़े होि ायार हैं, 12वीं तथा 8वीं कक्षा में दादरी के विद्यार्थियों ने पहला स्थान प्राप्त करके, मेरा और मेरे हल्के का नाम रो ान किया है।(विघ्न)

श्री राम विलास भार्मा : अध्यक्ष महोदय माननीय विधायक श्री सतपाल सांगवान का प्रस्ताव विचाराधीन है, इसके साथ–2 मैं माननीय साथी को यह बताना चाहता हूँ कि जो ये दादरी के लड़के और लड़कियों के दोनों स्कूल अपग्रेड करवाना चाहते हैं ये दोनों अपग्रेड नहीं कर सकते। अध्यक्ष महोदय, जब हम दूसरे स्कूलों का दर्जा बढ़ायेंगे उस समय जिस एक स्कूल के बारे में भाई सांगवान जी कहेंगे उस पर हम विचार कर लेंगे।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं परोपर दादरी की बात नहीं कर रहा, बल्कि दादरी सब–डिविजन की बात कर रहा हूँ जहां पर 12वीं तक के स्कूलों की आव यकता हैं। इस सब–डिविजन में बड़े–2 गांव हैं।

श्री राम बिलास भार्मा : अध्यक्ष महोदय, जो इनका सवाल है वह आपके पास लिखित में है, उसमें इन्होंने उपमण्डल,

चरखी दादरी के लड़कों तथा लड़कियों के राजकीय विद्यालयों का दर्जा बढ़ाने के बारे में पूछा है। अध्यक्ष महोदय, उसमें इन्होंने किसी स्पेसिफिक गांव या जगह का नाम नहीं दिया। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रिय दोस्त दादरी सब–डिविजन के जिस गांव का नाम बतायेंगे, जहां पर 12वीं तक के स्कूल की आव यकता हो, उसके बारे में हम विचार करैंगे। उसको एग्जामिन करवाकर वहां पर स्कूल जरूर बनवायैंगे।

श्री अध्यक्ष : भार्मा जी, श्री सांगवान ने पूरे सब डिविजन चरखी दादरी में स्कूलों को अपग्रेड कराने के बारे में प्र न पूछा है इसके लिए मै और श्री नरपेन्द्र सिंह दोनों इनके आभारी हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि जहां पर चरखी दादरी में बड़े–2 गांवों में स्कूल अपग्रेड करने की जरूरत हैं उस पर आप विचार करें।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि पिछली बार भी श्री सांगवान के चुनाव क्षेत्र में लगभग 8 स्कूलों को अपग्रेड किया गया था और इस बार भी माननीय विधायक पूरे उपमण्डल के जिस गांव के बारे में कहेंगे उस पर हम विचार करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जिस गांव के बारे में माननीय सांगवान जी कहेंगे और वह गांव अगर नार्मज़ पूरे करता होगा तो हम वहां पर स्कूल का दर्जा अव य बढ़ायेंगे, चाहे वह स्कूल लड़कों का हो या चाहे लड़कियों का।

श्रीमती करता देवी : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी के ध्यान में यह बात लाना चाहती हूँ कि मेरे जिले रोहतक के गांव माजरा में लगभग 1000 लड़कियां पढ़ती हैं और इस स्कूल को अपग्रेड किया गया था लेकिन बाद में वह लिस्ट कैंसिल कर दी गई। अध्यक्ष महोदय, क्योंकि यह लड़कियों की एजुके ान से जुड़ा हुआ मसला है इसलिए मै माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूँगी कि क्या वे इस स्कूल को अपग्रेड करेंगे?

श्री राम बिलास भार्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय बहन करतार देवी जी को बताना चाहूंगा कि इस सरकार ने स्कूलों का दर्जा बढ़ाने की कोई भी सूचि निरस्त नहीं की है। पिछली सरकार ने 245 विद्यालयों का दर्जा बढ़ा कर एक चिट्ठी निकाल दी। अध्यक्ष महोदय, पानी से पहले पाल बांधने की परम्परा गांव में भी रहती है वैसे ही सरकारों की भी चुनाव से पहले कुछ तैयारी होती है उसी चुनाव को ध्यान में रखते हुए चुनाव से करीब 3 महीने पहले स्कूलों को अपग्रेड करने का एक कागज़ पकड़ा दिया और विधायक अपने–अपने हल्कों में उसे दिखा कर वोट मांगते रहे कि हमने स्कूलों का दर्जा बढ़ा दिया है। अध्यक्ष महोदय, हमने जी भी वायदे किए थे चाहे वे सदन के अन्दर थे या सदन के बाहर चाहे मुख्य मंत्री जी ने कोई वायदा किया हो चाहे किसी मंत्री ने कोई वायदा किया है पिछले दो वर्शो में 400 विद्यालयों का दर्जा बजट सै ान में हमने बढ़ाया था। जहां पर भी स्कूल

अपग्रेड करने की घोशना की वहां के लिए अध्यापकों की व्यवस्था की और बजट भी ऐलोकेट किया। इस सत्र में भी विद्यालयों का दर्जा बढ़ाया गया है। इस बजट में हमने 5 करोड़ रूपये का प्रावधान किया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय बहन जी को बताना चाहूंगा कि हमने अपने समय में स्कूलों के अपग्रेडे ान की किसी भी सूचि को निरस्त नहीं किया है। वे माजरा में लड़कियों के विद्यालय की बात कह रही है। मैं उनसे कहूंगा कि वे इस बारे में पंचायत का प्रस्ताव भिजवा दें हम उसे एग्जामिन कर लेंगे और अगर वह नार्म पूरे करता होगा तो वहां पर विद्यालय का दर्जा भी बढ़ा देंगे।

श्री जगदी ा नायरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहूँगा कि मेरे हल्के में तीन स्कूलों का दर्जा बढ़ाया गया था लेकिन आज भी वहां पर स्टाफ नहीं भेजा गया है खासकर के प्रिंसिपल और हैडमास्टर को नहीं भेजा गया है। अध्यक्ष महोदय, दूसरे मेरे हल्के में ब्राह्मणों का एि ाया का सबसे बड़ा गांव है। (विघ्न) गांव खामी में मंत्री जी का बहुत बड़ा स्वागत हुआ था जब मंत्री जी वहां पर गये थे। वहां पर मंत्री जी ने विद्यालय का दर्जा बढ़ाने का वायदा भी किया था। मंत्री जी ने वहां पर यह वायदा किया था कि लड़कियों के स्कूल का दर्जा बढ़ा देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या वे इस स्कूल को मेरे कोटे की बजाये अपने कोटे में से दर्जा बढ़ाने की कृपा करेंगे?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी श्री जगदी ा नायर जी के क्षेत्र में गया था और केवल गांव खामी में नहीं बल्कि मान्दकोल और बैंगलतू की पंचायतों की तरफ से वहां पर प्रस्ताव किया था और हमने आ वासन भी दिया था। इस नये सत्र से खामी के स्कूल का दर्जा बढ़ा दिया जाएगा। इसके साथ ही मैं अपने भीई जगदी ा नायर जी को कहना चाहूंगा कि मेरा अलग से कोई कोटा नहीं है सारे का सारा कोटा विधायकों का ही है। विधायक जहां चाहेंगे वहां पर स्कूल खोले जाएंगे और स्कूलों का दर्जा बढ़ाया जाएगा इसमें किसी प्रकार की कोई राजनीति नहीं है।

श्री रामफल कुण्डु : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि गवर्नमैंट कॉलेज, सफीदों में पंजाबी की कोई पोस्ट सैंक ान नहीं है और संस्कृत प्राध्यापकों की दो पोस्टें हैं वे दोनों ही खाली हैं, ये पोस्टें कब तक भर दी जाएगी?

श्री रामबिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, जैसे–जैसे हमने स्कूलों का दर्जा बढ़ाया है उसके साथ ही अध्यापकों की पोस्टें भी क्रिएट की हैं और पोस्टें भरी जा रही हैं। संस्कृत प्राध्यापकों के लिए इन्होंने मुझ से मिल कर भी कहा था इस महीने वहां पर संस्कृत अध्यापक लगा दिए जाएंगे।

श्री दिलुराम: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी पिछले साल मेरे हल्के में गये थे और वहां से भागल गांव में गये थे और वहां पर इन्होंने चार स्कूलों का दर्जा बढ़ाने की घोशणा की थी उसमें से 2 स्कूल तो बन गये हैं। अब क्या ये सुल्ताना और खरौदी में दो स्कूलों को प्राईमरी से मिडिल और मिडिल से हाई करेंगे? इसके साथ ही खरका गांव बहुत ही बड़ा है और वहां पर आस पास में कोई भी 10 जमा 2 का स्कूल नहीं है और वहां पर लड़कियों की तादाद भी बहुत ज्यादा है। क्या मंत्री जी वहां पर स्कूल का दर्जा बढ़ाएंगे?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं भाई दिलुराम जी के गुहला–चीका हल्के में गया था। हमने वहां पर दो स्कूलों का दर्जा तो बढ़ा दिया था जो कि पिछले सत्र में भाुरू हो गये थे। यह जो बात इन्होंने प्राईमरी से मिडिल और मिडिल से हाई स्कूल का दर्जा बढ़ाने वाली बात कही है वह इस सत्र में कर देंगे।

Shortage of Drinking water in village Kichana

669. Shri Ram Pal Majra: Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether it is a fact that there is a shortage of drinking water in villages Peoda and Kichana, of district Kaithal; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to meet out the said shortage of drinking water?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ): गांव प्योदा में जल वितरण में कुछ कमी है जोकि नया नलकूप सम्पन्न होने पर भीघ्र ही दूर हो जाएगी। गांव किछाना में जल वितरण में कोई कमी नहीं है।

श्री राम पाल माजरा: स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि सही मायनों में ज्यादा प्रोब्लम किछाना गांव में है और प्योदा के जल घर का ट्यूबवैल डेढ़ साल से बैठा हुआ है। जिस कारण वहां पर समस्या और भी ज्यादा गम्भीर हो गई है। मंत्री जी यह बताएं कि वहां के ट्यूबवैल को कब तक ठीक करवा देंगे? अध्यक्ष महोदय, किछाना गांव के पानी की सप्लाई कसान गांव से है मगर कसान गांव में बिजली होती है तो पानी लिफ्ट करके किछाना गांव में पहुंच जाता है। किछाना गांव में एक टैंक है और उस टैंक की जितनी कैपेसिटी है उससे एक घंटे तक ही पानी सप्लाई किया जा सकता है। अगर कसान गांव में बिजली होती है तो किछाना गांव में नहीं होती है और किछाना गांव में होती है तो कसान गांव में नहीं होती है। क्या मंत्री जी किछाना गांव के टैंक की स्टोरेज की कैपेसिटी बढ़ाएगें?

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि कुंए में पानी न मिलने की वजह से सम्स्या है। इस लिए वहां पर नया कुंआ साढ़े तीन लाख की कीमत से बनवा रहे हैं और यह अक्तूबर तक कम्पलीट हो जाएगा। जहां तक किछाना गांव की बात है तो वहां पर बूस्टिंग स्टे ान है और वहां पर कसान गांव से

पानी आता है। वहां पर वाटर वर्कस है, बूस्टिंग स्टे ान है और वहां पर 40 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पानी मिल रहा है। लेकिन कभी–कभी बिजली फेल हो जाती है तो उसमें मैं क्या कर सकता हूं। इस बारे में मैं अतर सिंह सैनी जी को कहूंगा कि वहां पर बिजली को चालू रखें।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, पानीपत भाहर हैन्डलूम इन्डस्ट्रीज का भाहर है। वहां पर खड्डियों में जो पानी इस्तेमाल होता है उसमें कैमिकल मिलाया हुआ होता है। उस पानी को प्रयोग करने के बाद ऐसे ही छोड़ दिया जाता है और वह पानी चौबों में चला जाता है। आज वहां के लोगौं को जो पानी पीने के लिए मिलता है उसमें कैमिकल मिला हुआ होता है और इसके रिजल्ट एक दिन बुरे होंगे। क्या इसकी रोकथाम के बारे में सरकार कोई कदम उठा रही है या उठाएगी?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में ये अलग से प्र न पूछें तो अच्छा होगा।

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै अपने रोहतक जिले के हसनगढ़ हल्के के बारे में कहना चाहूंगा। वहां पर कमेटी गांव है। इस गांव में भालोट माईनर से पानी अटैल गांव से होता हुआ आता है। उस अटैल गांव के लोग भी उस पानी को नहीं पीते हैं। उसका कारण है कि वहां नाला खुला हुआ है और उसके अन्दर गन्दगी भरी रहती है। तो मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा

कि क्या उस पानी को पाईप के थ्रू कसरेटी गांव में ले जाने का कोई प्रबन्ध करेंगे? इसके अलावा क्या कटैल और गिजी गांवों को भी पानी देने का प्रावधान करेंगे?

श्री जगन नाथः सर, हरियाणा में 6745 गांव है और मैं हर गांव के बारे में एकदम कैसे बता सकता हूं। थोड़ी देर में ये किसी भी पटवारी का नाम भी पूछ लेंगे।

श्री बलवन्त सिंहः स्पीकर सर, इस बारे में हर सै ान में पूछा गया है मंत्री जी को इसको मजाक में नहीं लेना चाहिए।

श्री अध्यक्षः जो ये अब बोल रहे हैं, उसको रिकार्ड न किया जाए।

Fly Over

***652. Shri Dev Raj Devan:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a fly-over on Railway crossing near Sugar Mill in Sonipat City?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav): No, Sir.

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, यह सरकार किसानों के प्रति कितनी फिक रखती है इसका पता इस सवाल के जवाब से ही लगता है। मेरे हल्के के अलावा पूरे सोनीपत जिले का यह भूगर मिल है। वहां पर बैलगाड़ी, झोटा बुग्गी, ट्रैक्टर ट्रॉली और ट्रक यह पुल न होने के वजह से मीलों दूर तक लाईन

लगाकर खड़े रहते हैं जिसकी वजह से वे लोग सारे दिन परे ाान होते रहते हैं। यह बहुत ही जरूरी पुल है और यह कोई ज्यादा लम्बा भी नहीं है। क्या मंत्री जी जल्दी से जल्दी फलाई ओवर ब्रिज को बनाने की कृपा करेंगे?

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, संभव नहीं है।

श्री सम्पत सिंहः सर, सरकार की इस वार्शिक योजना में क्या कोई और फलाई ओवर ब्रिज बनाने की योजना है?

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए ये अलग से प्र न पूछें।

श्री सम्पत सिंहः सर, मैंने तो एक पोलिसी सवाल किया था क्या मंत्री जी इतना भी नहीं बता सकते कि स्टेट में इस साल सरकार की और कोई ओवर ब्रिज बनाने की योजता है? सर, यह तो बेसिक बात है।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, मंत्री जी ने बेसिक सवाल का बेसिक जवाब दे दिया है।

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, बहादुरगढ़ में लाईन पार एक बस्ती है जिसकी आबादी लगभग 30 हज़ार है। वहां पर ओवर ब्रिज बनाने के लिए हमने रेल मंत्री से समय लिया था। उन्होंने हमारी यह डिंमाड मंजूर भी कर दी थी और कहा था कि अगर इसका आधा खर्चा राज्य सरकार दे दें तो बाकी आधा खर्चा

रेलवे विभाग दे देगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या वह इस ओवर ब्रिज के आधा खर्च करने की मंजूरी देंगे?

श्री धर्मवीर यादवः स्पीकर सर, ऐसी कोई प्रपोजल सरकार के पास नहीं है।

श्री खु र्शीद अहमदः मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ऐसी कोई प्रपोजल बनाकर ये सैंट्रल गवर्नमैंट को भेजेंगे कि इस ओवर ब्रिज का आधा खर्चा हम देने के लिए तैयार हैं अगर आधा खर्चा आप दे दें?

श्री धर्मवीर यादवः स्पीकर सर, इंडियन रोड़ज कांग्रेस के स्तर के मुताबिक उसका सर्वे करवा लिया जाएगा और इसके हिसाब से एक प्रस्ताव इसक रेलवे विभाग को भेज दिया जाएगा।

Construction of Road from village Dantal to Rajasthan Border

***650 Shri Kailash Chander Sharma:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the construction work of the road from village Dantal to Rajasthan Border is lying incompltete and

(b) if so, the time by which the said road is likely to be constructed?

Development Minister (Shri Kanwal Singh):

(a) Yes, Sir.

(b) The road is likely to be completed within this financial year.

श्री कैला I चन्द्र भार्माः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस सड़क पर काम भाुरू किए हुए कितने दिन हो गये है और अब तक इस पर कितना पैसा खर्च हो गया है तथा कब यह सड़क पूरी हो जाएगी?

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, 15.3.96 को यह सड़क इम्पलायमैन्ट इ योरेन्स स्कीम के तहत सैक ान हुई थी और इसके लिए 5.68 लाख रूपया मंजूर किया गया था। बाद में ऐक्सियन, पंचायती राज, नारनौल को इसके लिए 3.16 लाख रूपया रिलीज कर दिया था। इस सड़क की लम्बाई 1.35 किलोमीरटर है। इसके अलावा 2.66 लाख रूपया इसके लिए 10.4. 97 को रिलीज कर दिया गया था। इसमें बचे, वह इन्हीं के एरिया में जो तीन सड़के है, उनके ऊपर लगाया गया था क्योंकि बिचुमिन के अलावा में तो यह कार्य पूरा नहीं हो सकता था। इसके अलावा 2 लाख रूपये के करीब की रकम भी सैक ान करके जल्दी सड़क का कार्य पूरा किया जाएगा।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, एक सड़क झज्जर और भिवानी जिले के बोर्डर तक खचरौली गांव तक बनायी हुई है। उससे दो कि0 मी0 पाटूवास गांव है तो क्या इस गांव तक कोई सड़क का निर्माण विचारधीन है?

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को यह पता नहीं है कि वह रोड पंचायती राज विभाग बना रहा है या पी0 डब्ल्यू0 डी0 (बी0 एण्ड आर0) बना रहा है फिर भी ये कहेंगे तो मैं इसको देख लूंगा।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, पंचायती राज विभाग सारे हरियाणा में सड़के बना रहा है तो ये लड़के बनाने का क्या क्राइटेरिया है यह जानना चाहूंगा और इस किस्म की सड़को को बनाने के मामले में मिट्टी डालने का काम करेगा और मिट्टी डालने के काम के मामले में अब तक कोई ि ाकायत मंत्री महोदय के पास आई है या नही?

श्री कंवल सिंहः स्पीकर सर, पंचायती राज विभाग जो सड़के बनाता है उसमें मिट्टी डालने के काम में कही न कही गड़बड हो ही जाती है इसके लिए हम सतर्क है और जहां से भी ि ाकायत आती है हम इंक्वायरी करवा कर कार्यवाही करवाते है।

श्री भागी रामः मंत्री जी मेरे प्र न को फौलो नहीं कर पाए। मैने यह जानना चाहा था कि मिट्टी डालने का काम ट्रैक्टर करते है या मजदूरों से कराया जाता है और गांव की लेवर से कराते है या सोसयटी की लेवर क्लास से कराया जाता है?

श्री कंवल सिंहः सुनि ि चत रोजगार योजना के तहत 80 प्रति ात पैसा भारत सरकार इस काम के लिए देती है और 20 प्रति ात पैसा हरियाणा सरकार देती है। यह काम तब होता है

जब खेती का लीन पीरियड होता है किसानों के पास काम नहीं होता है उस समय उनको रोजगार देने के लिए यह स्कीम बनी हुई है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय पंचायत एवं विकास मंत्री जी ने सुनि चित रोजगार योजना के अन्तर्गत मजदूरों को काम देने के लिए यह कार्यक्रम भुरू किया है इस बारे में हमारे पास जानकारी है। मुख्यमंत्री जी बैठे है उनको भी जानकारी होगी, इस बारे में में हाउस में आ वासन चाहूॅगा कि जो ट्रैक्टर और आधुनिक म ीनों में काम करवाया जा रहा है और मस्टर रोल में हाजरी इंदराज की जा रही है इससे बेरोजगारी बढ़ रही हे इस पर रोक लगाई जाए।

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम तो मजदूरों को काम देते है फिर भी यदि माननीय सदस्य को कहीं सबूत मिले हैं और आपति है तो मुझे लिख कर आवेदन दें।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम इस बारे में आपति ही नहीं सख्त आपति है सारा हाउस इस बारे में जानता है और आपके ध्यान में भी यह बात है, इस बात पर रोक लगाइए। मंत्री जी को में इस बारे में लिखित मे आवेदन दे दूंगा।

श्री अध्यक्षः मागी राम जी, आप बैठ जाइए। आपने जो बात कहनी थी वह चौधरी धीर पाल सिंह जी ने पूरी कर दी है।

श्री नफे सिंह राठी: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के में गांव डेकोरा से आसेधा तक पंचायती राज विभाग द्वारा सड़क का निर्माण होना है और उसके लिए 12 लाख रूपये की ग्रांट भी आई पड़ी हे। यह ग्रांट लगभग दो महीने से आई पड़ी है। अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय से मै आ वासन चाहूँगा कि वहां कब से कम भाुरू होगा।

श्री कंवल सिंह: मेरे पास इस समय रिकार्ड उपलब्ध नहीं है, ये अलग से लिख कर दे दें तो मैं इनको सूचना दे दूंगा।

Water Logging

628. Shri Sampat Singh: Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state-

(a) the district-wise acreage of land affected by water logging in the State;

(b) the steps so far taken or proposed to be taken to make the aforesaid land cultivable; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to give compensation to those farmers whose land is affected from water logging?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) राज्य में जिलेवार सेमग्रस्त भूमि परिि ाश्ट क के अनुसार है।

(ख) सेम को नियन्त्रित करने के लिए ड्रेनों के निर्माण के कदम उठाए गये है। अपने सुझाव देने के लिए एक बध्र स्तरीय वि ोशज्ञ समिति का भी गठन किया गया है।

(ग) नही, श्री मान जी।

परिि ाश्ट क

जिलेवार सेमग्रस्त भूमि की विवरणी

क्रम संख्या	जिले का नाम	भूमि (हैक्टेयर में)
1.	अम्बाला	भाुन्य
2.	भिवानी	3515
3.	फतेबाद	5537
4.	फरीदाबाद	भाुन्य
5.	गुडगांव	भाुन्य
6.	हिसार	6025
7.	झज्जर	760
8.	जीन्द	1300

9.	कैथल	20
10.	करनाल	100
11.	कुरूक्षेत्र	भुन्य
12.	महेन्द्रगढ़	भुन्य
13.	पंचकूला	भुन्य
14.	पानीपत	भुन्य
15.	रिवाड़ी	100
16.	रोहतक	182
17.	सिरसा	3800
18.	सोनीपत	500
19.	यमुना नगर	भुन्य

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मंत्री महोदय ने बताया है वहां पर टोटल जमीन 21834 हैक्टेयर ही पड़ती है परन्तु स्पीकर सर यह जमीन 55 हजार हैक्टेयर से भी ज्यादा है जहां पर सेम की समस्या है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या यह रिर्पाट किसी सर्वे के आधार पर दी गई है? इतनी जमीन तो जहां पर चार–पांच गांव इक्ट्ठे पड़ते है उनकी ही हो जाती है। यह समस्या हर जिले के गांव में है। मै यह जानना चाहूॅगा कि क्या

मंत्री महोदय इस बारे में दोबारा सर्वे करायेगे? दूसरी बात जो मंत्री महोदय ने स्कीम के बारे में बताई है क्या वे कोई स्पोसिफिक स्कीम बताऐगे? तीसरा इन्होंने जो मुआवजा न देने के बारे में कहा है क्या उसके बारे में बतायेगे कि कोई मुआवजा देने का प्रावधान है या नही? स्पीकर सर, मुख्या मंत्री जी और सारी सरकार यहां पर बैठी हुई है और सभी जानते हैं कि हमारे पड़ोसी राज्य पंजाब में भी हमारे प्रदे ा की तरह वाटर लौगिंग की समस्या है और हमारे प्रदे ा से ज्यादा है उसके बावजूद भी पंजाब सरकार ने किसानों को कही पर पर चार–पांच, दस हजार तक तथा कही कही पर तो एक लाख रूपये तक का मुआवजा दिया है। हरियाणा प्रदे ा में दस सालों से सेम की समस्या हो रही है और किसानों की जमीन बेकार पड़ी है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूॅ कि क्या वे पंजाब सरकार के पैट्रन पर हरियाणा के किसानों को मुआवजा देगे?

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जहां तक आंकड़ो की बात कही है, मै उनको बताना चाहता हूं कि ये आंकड़े सिंचाई विभाग के सर्वे के अनुसार जिलावाईज दिए गये है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः रैवॅन्यू विभाग भी इसके आंकडे दे सकता है।

10.00 बजे

श्री हर्श कुमारः चौधरी सम्पत सिंह जी यह बात सही है कि रैवॅन्यू विभाग भी सर्वे करता है। आप तो इस महकमे के वजीर रहे है और आपने भी विभाग के सर्वे के आधार को माना है। रैवॅन्यू विभाग के सर्व के आधार पर आपने भी कभी कोई बात कही होगी क्योंकि उस समय भी तो ऐसे सवाल उस समय भी तो ऐसे सवाल पूछे गये होंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सेम की समस्या को दूर करने की स्कीम की बात है, सेम तीन चार कारणों से बढ़ती है। बाढ़ के कारण सेम की समस्या उत्पन्न होती है तथा कुछ नहरों से सिपेज के कारण होती है कुछ लोगों की ऐसी मनोवृति होती है दूसरे किसानों के हक का पानी खुद इस्तेमाल करते हैं उस कारण तथा ओवर इरीगे ान के कारण यह सेम की समस्या हो जाती है। इसके लिए सरकार ने नहरों की मरम्मत का काम भाुरू किया है तथा डिच ड्रेनें बनाकर सिपेज के पानी को निकालने का काम भाुरू किया है। जहां पर ज्यादा सेम है वहां पर टयूबवैल्ज लगाकर उस पानी को नहरों में गिराकर किसानों के खेती तक पहुंचाया है। जहां पर पानी खारा है और जहां पर यह समस्या ज्यादा है वहां पर हमारे वि ोशज्ञों की समिति इस समस्या के निदान के कार्य में लगी हुई है ताकि किसी भी तरीके से यह सेम की समस्या खत्म हो सके। अध्यक्ष महोदय, जहां तक मुआवजा देने की बात है, अगर प्राकृतिक आपदा आ जाए और उसके कारण किसानों की फसला बर्बादा हो जाए तो सरकार किसानों को मुआवजा देती है। जहां सेम का इलाका है जोकि

5–6 साल से है, सेम के लिए मुआवजा देने का विभाग के पास कोई प्रोविजन नहीं है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मेरा सीधा सा सवाल था। मैं भी इरीगे ान महकमे का मंत्री रहा हूं। चौधरी मनीराम गोदारा जी सामने बैठे है। अकेले फतेहाबाद जिले की 5500 हैक्टेयर जमीन बताई गई हैं। मुख्यमंत्री जी भी खुद गोरखपुर गांव में जाकर आए थे। आधे से ज्यादा यानी 7–8 हजार एकड़ जमीन तो अकेले गोरखपुर गांव की है। कम से कम 2–3 हजार एकड़ जमीन सारंगपुर, काजल, बडोपल, डांड व खजरी इत्यादि गांवों की है। मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि अकेले फतेहाबाद जिले के अंदर 50 हजार एकड़ से ज्यादा जमीन अफैक्टिड है। (विघ्न) इसलिए मेरी प्रार्थना है कि यह जो आंकड़े दिए गए है, वे सत्य नहीं है, इन को दुरूरत किया जाए।

श्री अध्यक्षः स्टेटमैंट न दीजिए। आप प्र न पूछिए।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या हाउस में सेम के इलाके के लिए किसानों को मुआवजा देने की घोशणा करेंगे?

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, वैसे इस सवाल का जवाब देने से मेरा ताल्लुक नहीं है लेकिन माननीय सदस्य ने चूंकि कुछ गांवों का नाम लिया है और मेरा नाम भी लिया है इसलिए मैं इन को एक बात बताना चाहता हूं कि चौधरी

बंसी लाल जी जब वहां पर गये तो सारे मामले का पता लगाने के बाद इन्होंने उन गांवो में पप्प लगाने के आर्डर कर दिए, और खास तौर से उन गांवों में, जिनके बारे में माननीय साथी ने जिक्र किया है। अकेले गोरखपुर गांव में एक महीने के अंदर एक करोड़ रूपये खर्च किए गये है। एक बात तो यह थी। मैं जो कह रहा हूं उस को आप अपने ऊपर अटैक न समझे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, गोरखपुर व दूसरे गांवों में से कभी भी एक इंच पानी भी निकलवाने की कोि ा ा नहीं की। (विघ्न) गोरखपुर के अंदर तो पानी उस वक्त भी था जब चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री होते थे। आप ही बताएं मै इस बात को किस भार्त पर बोलूं। उस समय गोरखपुर, महमदपुर, बड़ोपल व काजल इत्यादि गांवों में पानी था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः बड़ोपल का पानी तो निकलवा दिया होगा।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, गोरखपुर गांव में पानी नही था। (विघ्न) हो, बड़ोपल में पानी था। (विघ्न)

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, मैं इस मामले में किसी भी तरह की बात मामने के लिए तैयार हूं, किसी भी प्रकार की तफती ा कराने के लिए तैयार हूं चाहे तो वह हाऊस के तौर पर करा लें, चाहे किसी और तरीके से अथवा हम दोनों ही वहां जाकर कर लें।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, वाटर लांगिंग के बारे में में पूछना चाहता हूं।

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, जब चौधरी देवी लाल मुख्यमंत्री थे, उस समय वहां पर वाटर लोंगिंग था। (विघ्न) मैंने अभी कहा भी है कि हम ने वहां पर एक करोड़ रूपया खर्च किया है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, वहां पर कुछ नहीं हुआ है। मालूम नहीं यह पैसा कहां खर्च कर दिया है।

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, उस गांव के अंदर पानी निकालने के लिए 50 पम्प लगाए गए हैं और उस सारे इलाके के लिए 500 पम्पस की मंजूरी दी गई है। (विघ्न) लेकिन इन्होंने तो अपने समय में कोई पम्प वहां पर नहीं लगवाया था। (ाोर)

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, जहां तक मुआवजे की बात है, इसके बारे में हमारे रैवेन्यू मिनिस्टर सूरजपाल जी बताएंगे लेकिन उससे पहले में सदन को एक बात बताना चाहता हूं। प्रो0 सम्पत सिंह ने फतेहाबाद की जो बात बताई वह ठीक है। फतेहाबाद ब्रांच के साथ–2 जो सीपेज का इलाका है वहां सेम की समस्या है, यह बात भी ठीक है। जहां सेम की समस्या है उनका लगभग आधा ऐरिया गांव गोरखपुर में पड़ता है और यह बहुत पुरानी समस्या है। जहां तक मुआवजे की बात है उससे पहले एक

बात कहूंगा कि दड़वा कला हल्के में 15–16 गांव हैं दड़वा कलां चौपटा के इलाकों में पानी पीरूवाली और भोरूवाली डिस्ट्रीब्यूटरी से सप्लाई होता है। आज सम्पत सिंह मुआवजे की बात करते हैं जब ये इस महकमे के वजीर थे, सदन में पहले भी जिक्र हुआ था कि इन दड़बा कलां हलके के 15–16 गांवों के लोगों ने इन समस्या के कारण इलैक ान का भी बहिश्कार किया था। इन गांवों में यह समस्या प्रो0 सम्पत सिंह के समय में ही आई थी। पहले वहां टिब्बे होते थे और वे समतल हो गए, उस जमीन में 10–15 फुट नीचे कंकर–पत्थर की सतह है। कंकर–पत्थर की सतह होने की वजह से पानी जमीन में जजबू नहीं हेा पाता। यहा वही भोरूवाली माइनर है जहां इनके समय में लोग बन्दूक की नोक पर राजस्थान के हिस्से का और हरियाणा के दूसरे हिस्सों का पानी भोरूवाली डिस्ट्रीब्यूटी, पीरूवाली डिस्ट्रीब्यूट्री में लेकर गए, तभी यह समस्या पैदा हुई, आप चाहे रिकार्ड देख लें। मुआवजे की बात कंवर सूरजपाल जी बताएंगे।

राजस्व मंत्री (श्री सूरजपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मुआवजे के लिए नार्म्ज बने हुए है कि यदि स्टेट में कहीं भी कोई प्राकृतिक आपदा आती है तो वहां यह मुआवजा दे दिया जाता है। जहां तक सेम की वजह से पानी भरने का सवाल है ऐसी बात नहीं। जैसा इन्होंने पंजाब स्टेट में मुआवजा देने की बात कही है उसके बारे में तो मुझे उसके बारे में तो मुझे पता नही है लेकिन हरियाणा में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

मुख्यमत्री (श्री बसी लाल): अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पड़ौसी प्रदे ा पंजाब में मुआवजा देने की बात कही तो कोई भी स्टेट एक लाख रू0 का मुआवजा नहीं दे सकती। हम तो वही देगे जो कायदे–कानून में है हम कायदे कानून से बाहर नहीं जाएंगे।

श्री सम्पत सिंहः कायदे–कानून में तो मुआवजे की बात नहीं है।

श्री बंसी लालः कायदे–कानून में नहीं है तो हम मुआवजा नहीं देंगे।

Shri Sampat Singh: Sir----

Mr. Speaker: This is questions hour. Please ask the question and don' t make a statement

श्री सम्पत सिंहः मुआवजे की बात कायदे–कानून में नहीं है लेकिन जब कहीं कोई नुकसान होता है, कायदे–कानून भी तभी बनते।

Mr Speaker: Please take your seat.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, कायदे कानून तो तभी बनते हैं जब कहीं पर कोई नुक्सान होता है। वहां पर सीपेज के पानी के कारण किसानों का बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कृपया आप बैठ जाएं। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, वहां पर कोई गोली नहीं चली और न ही कोई आदमी गोली की नोक पर वह पानी अपने खेत में ले कर गया। हमारे समय तो यह प्रोब्लम एक दो गांवों में ही थी इस समय जितने इलाके में यह प्रोब्लम है यह बाद में पैदा हुई है।

मुख्य मंत्री (श्री बसी लाल): अध्यक्ष महोदय, इनको 10–15 फूट के खम्भे नजर नहीं आते उस समय इनको यह सेम कहां से नजर आती? (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब,..... (ाोर)

Mr. Speaker: Please take your seat (Interrupions) Nothing to be recorded.

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरी सप्लीमैंटरी है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कृपया आप बैठ जाएं। (ाोर)

वाक–आउट

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यदि आप हमारी बात नहीं सुनते तो हम ऐज ए प्रोटेस्ट सदन मे वाक–आउट करते है। (ाोर)

(इस सदन हलोदरा के सभी माननीय सदस्य सदन से वाक–आउट कर गये।)

तारांकित प्र न एवं उतर (पुनरारम्भ)

Repair of Roads

697. Shri Bhagi Ram: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the follwing roads of District Sirsa-

(a) Ottu to Thobria via Kuttabadh, Budhimeri and Amritsar;

(b) Kariwala to Manjalther and Shahida Ther;

(c) Sadewala to Matuwala;

(d) Mehmadpuria to Fatehpurea;

(e) Rania to Mohar Singh Theri;

(f) Rania to Dhani Satnam Singh;

(g) Ellenabad to Dholpalia, Kasikabas, Neemla and Behrawala; and

(h) Haboli to Dhamara Theri; and

(b) if so, the time by which these roads are likely to be repaired?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादव):

(क) हां, श्री मान जी।

(ख) क्रमांक (ग) पर वर्णित सड़क को छोड़ कर भोश सभी की मरम्मत कराई जा चुकी है। क्रमांक (घ) पर वर्णित सड़क की मुरम्मत जून, 1999 तक होने की सम्भावना है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेन सवाल के जवाब में बताया है कि इन सड़को में से एक सड़क को छोड़ कर सभी सड़को की मरम्मत कर दी गई है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिन जिन सड़कों की मरम्मत हो चुकी है उन पर कितना कितना पैसा खर्च हुआ है और आपके पास सड़कों के बारे में जो रिपोर्ट आई है क्या वह वही रिपोर्ट है?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, ओटू से धोखाड़िया वाया कुताबढ़ बुढी मेडी तथा अमृतसर सड़क पर लगभग 11.29 लाख रूपये खर्च हुए है और इस सड़क की मरम्मत मई 1998 में कर दी गई थी सीरियल नम्बर दो की सड़क साढ़े सात किलोमीटर लम्बी है इसकी मार्च 1998 में मरम्मत की गई थी और इस पर साढे 6 लाख खर्च किए गए थे। सीरीयल नम्बर 3 की सड़क सवा तीन किलोमीटर लम्बी है मार्च 1998 में इनकी मरम्मत की गई थे। सीरियल लम्बर 3 की सड़क सवा तीन किलोमीटर लम्बी है मार्च 1998 में इसकी मरम्मत की गई थी और इस पर 10 हजार रूपये खर्च हुए थे। सीरियल नम्बर 4 की सड़क लगभग दो किलोमीटर लम्बी इसकी 200 मीटर की रेजिंग करनी है और उस पर लगभग दो लाख रूपय खर्च होंगे और इसकी जून 1999 तक

मुरम्मत कर दी जाएगीं। इसी तरह से रानिया से मोहर सिंह थेड़ी सड़क लगभग साढ़े चार किलोमीटर लम्बी है इसकी मार्च 1998 में मरम्मत कर दी गई और इस पर लगभग 10 हजार रूपये खर्च हुए। इसी तरह से रानिया से धाणी सतनाम सिंह सड़क है यह साढे पांच किलोमीटर लम्बी है इसकी मार्च 1998 मे मरम्मत कर दी गई और इस पर पीने दो लाख रूपये खर्च हुए। इसी तरह से एलनाबाद से धोलपालिया, कासी का बास, नेमिला और बेहरवाला सड़क इस अक्तूबर 1997 में मरम्मत की गई और इस पर सवा लाख रूपया खर्च हुआ। इसी तरह से हबोली से धमोड़ा थेड़ी सड़क साढे तीन किलोमीटर लम्बी है इसकी मरम्मत जुलाई 1998 में की गई और इस पर 10 हजार रूपये खर्च हुए।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, पी0 डब्ल्यू0 डी0 विभाग के आधिकारियों ने इस सड़कों के बनाए जाने के बारे में कागजात में जो गड़बड़ की है उसके बारे मे मैं आपके माध्यम से मामनीय मुख्य मंत्री जी से और मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या वे इसकी जांच करवाएंगे?

श्री अध्यक्षः यह इररैलेवैंट क्वै चन है, आप बैठिये।

श्री भागी समः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने आपने जबाव में 1–2 सड़कों के बारे में बताया कि वहां पर 10–12 हजार रूपये खर्च किए गए है। स्पीकर साहब, कागजों में ही खर्च हुए होगे, सड़को पर कोई पैसा नही लगा है। सड़कें ठीक नहीं

हुई। अध्यक्ष महोदय, सरकार बदले की भावना से अपोजी ान के हल्कों में कोई काम नहीं कर रही। मैं आपके माध्यम से चीफ मिनिस्टर से अनुरोध करूंगा कि वे हाउस की कोई कमेटी गठित करें जो इस बात की जांच कर सके।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये। यह इररैबैंट क्वै चन है।

Upgradation of Government Primary School, Girawa

791. Shri Virender Pal Ahlawat: Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government Primary School, Girawar of District Jhajjar into Middle School during the current financial year?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): जी नही।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, डॉ0 वीरेन्द्र पाल अहलावत के गिरावड़ स्कूल क बारे में पुनः पता करवाया है। यह स्कूल सारी निर्धारित भार्ते पूरी करता है। हम इसी सत्र से हम स्कूल को प्राईमरी से मिडिल बना देंगे।

श्री बीरेन्द्र पाल अहलावतः धन्यवाद।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान में माथना ने अपने मायना गांव का जिकर किया था, धीरपाल जी ने एक स्कूल की बात की थी। वे स्कूल उपग्रेड कर दिए थे। अब ये समचाना की बात कर रहे है, इसको भी दिखा लेंगे।

Metalled Road

709. Shri Nafe Singh Rathee: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether threre is any proposal under consideration of the Government to construct a metalled road from Gaushala of Mandauthi Village to National Highway No. 10 alongwith Gurgaon Canal, if so the time by which it is likely to be constructed?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav): No, Sir.

श्री नफे सिंह सही: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने उम्मीद के मुताबिक जवाब दिया है। मंत्री महोदय पिछले साल बालौर से बीर बरखताबाद गए थे। उस समय इन्होंने बालौर में इस सड़क को बनाए जाने की घोशणा की थी मै जानना चाहूंगा कि इस सड़क का काम कब तक पूरी हो जाएगा?

श्री धर्मवीर यादव: ऐसी कोई घोशणा नहीं की गई थी।

H.P.L.C. Instruments

749. Shri Jai Singh Rana: Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether the H.P.L.C. instrument was purchased for the Pesticede Laboratory, Karnal during the year 1992-93 or 1993-94,

(b) whether the above said instrument is out of order form the date it was purchased; and

(c) whether the Government has received any complaint in its purchase, if so, the action taken therefor?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल):

(क) इस संपत्र की खरीद वर्श 1993–94 के दौरान राज्य कीटनाा ाक गुण नियन्त्रण प्रयोग ााला, करनाल के लिए की गई थी।

(ख) नही, श्रीमान जी, सफलतापूर्वक ट्रायल प्रद र्ान के बाद, विभिन्न तिथियों को 24 नमूनों का इस सयंत्र पर परीक्षण किया गया था।

(ग) हां श्रीमान जी चौकसी विभाग, मामले की जांच कर रहा है। चौकसी विभाग से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगमी कार्यवाही की जाएगी।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृशि मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि 1993–94 में कीटना ाक प्रयोग ााला, करनाल के लिए एच0 सी0 पी0 एल0 का संयन्त्र खरीदा था, क्या वह संयन्त्र सफलापूर्वक चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद 24 नमूनों की जांच कराई गई, फिर भी वह ठीक तरह से नहीं चला। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने दोाशी अधिकारियों को सजा क्यो नही दी? अगर सरकार अधिकारियों को दोशी नही मानती है तो उनके खिलाफ चौकसी विभाग से इन्कवायरी क्यों करवाई। अध्यक्ष महोदय, आज भी वे अधिकारी

अपने पदों पर लगे हुए है, मंत्री महोदय इसके बारे में पूरी जानकारी दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जो हमारी करनाल में लेव है, वहां पर पेस्टीसाईड की गुणवता जांचने के लिए म ीनरी हमने लगवाई थी, भारत सरकार ने इस म ीनरी के लिए पैसे दिए थे। अध्यक्ष महोदय, मै अपने माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि जिन 24 नमूनों का इसमें टेस्ट हुआ, उनके नतीजे कई प्रकार के रहे और अध्यक्ष महोदय, जहां तक अधिकारियों के जांच की बात है, आप भी जानते है कि जब किसी अधिकारी के खिलाफ कारवाई की जाती है तो पहले उसकी जांच की जाती है। दोशी पाये जाने पर ही उसको सजा दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, उन अधिकारियों के खिलाफ चौकसी विभाग से हम जांच करवा रहे हैं और अगर वे दोशी पाए गये तो उन्हे सजा जरूर दी जाएगी।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि उन आधिकारियों के खिलाफ चौकसी विभाग कब से इन्कवारी कर रहा है, क्या कृशि विभाग ने उनको कोई रिमाईण्डर भेजा है, यदि भेजा है तो कब भेजा और उन पर कार्यवाही क्यों नहीं हो रही है?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कैप्टन जी को बताना चाहता हूं कि चौकसी विभाग 13.12.1996

से जांच कर रहा है और हमने इसके बारे में रिमाईण्डर भी भेजे है।

श्री जसविन्द्र सिंह सन्धुः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि एच0 सी0 पी0 एल0 का संयन्त्र खरीदने में कितनी कीमत लगी थी और इसकी जांच होते हुए 2 साल हो गये वह कब तक पूरी हो जाएगी?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इस संयन्त्र की कीमत 8 लाख 50 हजार है और इसकी जांच जल्दी से जल्दी पूरी कर ली जाएगी। (विघ्न एवं भाोर)

Judicial Complex Safidon

713. Shri Ramf Phal Kundu: Will the Chif Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Judicial Complex at Safidon?

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Yes, Sir.

श्री रामफल कुण्डुः: स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि सफीदों कॉम्पलैक्स को बनाने के लिए उसका नीव पत्थर रखा गया था लेकिन काम बीच में रोक दिया गया है। यह एक डिपोजिट वर्क है और इस का पैसा जमा हो चुका है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इसका काम कब तक भाुरू हो जाएगा?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, 3.7.1998 को इसके टैडंर आ गए है, टैडर की एलॉटमैट का काम प्रोसीस में है। जैसे ही रेनी सीजन खत्म होगा इसका काम चालू हो जाएगा। काम चालू होने के बाद एक साल के अंदर–अदंर काम पूरा हो जाएगा।

777. Shri Sat Pal Sangwan: Will Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether it is fact that the Sprinkler Sets are purchased by the Government for supplying of same to the farmers from open marker and

(b) if so. whether there is any proposal under consideration of the Government to purchase the Sprinkler Sets through Haryana State Agro Industrise Corporation instead of open market to give the benefit of commission to the said Corpation?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल):

(क) एवं (ख) सरकार सीधे रूप से स्प्रिंकलर सैट्स नही खरीदती है। इसलिए, सरकार द्वारा हरियाणा कृशि उद्योग निगम के माध्यम से ऐसी खरीद का प्र न ही पैदा नहीं होता।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, मैं यहां पर यह कहना चाहॅूगा कि स्प्रिकंलर सैट्स एग्रो इण्डस्ट्रीज कारपोरे ान के थ्रू प्रचेज किए जाने चाहिए। जो कमी ान डीलर को जाता है अगर वह एग्रोइण्डस्ट्रीज कारपोरे ान के थ्रू परचेज करें तो एग्रो इण्डस्टीज कारपोरे ान को जएगा। अध्यक्ष महोदय, 40 हजार

स्प्रिंकल सैट्स की हरियाणा में लागत है अगर यह कमी ान एग्रों इण्डस्ट्रीज कारपोरे ान को मिल जाए तो उससे यह कारपोरे ान जिन्दा रह सकेगी। अध्यक्ष महोदय, यह स्कीम बहुत ही अच्छी है। अगर यह स्कीम लागू हो जाए तो इससे किसानों को बड़ा सारी लाभ है और यह एग्रो इण्डस्ट्रीज कारपोरे ान भी जिन्दा रह सकेगी। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय एग्रीकल्चर मिनिस्टर ये यह जानना चाहूंगा कि क्या वे इस एग्जामिन करवा कर लागू करने की कृपा करेंगे?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जैसे कि मैने अपने माननीय साथी सदस्य को पहले भी बताया है कि स्प्रिंकलर सैट्स सरकार सीधे परचेज नहीं करती है बल्कि किसी ऐजैंसी के माध्यम से या किसी कम्पनी के यू लेती है और उसके लिए कुछ भार्ते निर्धारित होती है। अगर एग्रो इण्डस्ट्रीज कारपोरे ान उन भार्तो को पूरा करेगी तो हमें उनके माध्यम से खरीदने में कोई ऐतराज नहीं है। जैसे और फर्मे या कम्पनीज करती है वैसे ही एग्रो इण्डस्ट्रीज कारपोरे ान भी कर सकती है। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को तथा सदन को भी बताना चाहूंगा कि हमारे विभाग ने पूरी तरह से प्रयास किया है कि स्प्रिंकलर सैट्स के मामले में किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत प्राप्त हों और स्प्रिंकलर का काम प्रदे ा के अन्दर ठीक तरीके से चले।

Re-instatement of the Services

672. Shri Ram Pal Majra: Will the Minister for Labour and Employment be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to reinstate those employees whose services were terminated due to the closure of the distilleries on account of prohibition in the State?

श्रम व रोजगार मंत्री (श्री रमे ा चन्द्र कोि ाक): राज्य में डिस्टिलारियों का प्रबंधन निजी/सहकारी क्षेत्र द्वारा किया जाता है और इनमें कार्यरत श्रमिकों की सेवाएं औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के प्रावधानों के अन्तर्गत विनियमित की जाती है। सरकार यह सुनि चत करेगी कि अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन हो।

श्री राम पाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या कर्मचारियों को टमिनेटिड पीरियड के बेजिज और ऐरियरज मिलेंगे?

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारंकित प्र नों के लिखित उतर

Repair of Roads

654. Shri Dev Raj Dewan: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of Government to repair the following damaged roads of Sonipat City and Constituency:-

(i) old D.C. Road

(ii) from Railway Phatak to Gohana road;

(iii) from Railway Phatak to Mandi;

(iV) from Bus Adda to village Mahana

(v) raising of Hulleri approach road;

(vi) constrution of concrete pavement near Atlas Mandir;

(vii) rasing of Gita Bhawan to Railway Phatak road;

(viii) strengthening of Gita Bhawan to Rest House Kalupur road; and

(ix) concrete pavement of Gita Bhawan to Bus stand road; and

(b) if so. the time by which these roads are likely to be repaired?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादब):

(क) हां, श्री मान जी।

(ख) जून, 1999 तक।

Pump Houses of Alipur Minor

772. Shri Kallash Chander Sharma: Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state the time by which the Pump Houses on Alipur Minister will made functional?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): धन की उपलब्धता पर अलीपुर माइनर की पम्प हाउस मास जनवरी 1999 के अन्त तक चालू की संभावना है।

Drain out of Accumulated Water

784. Shri Virender Pal Ahlawat: Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state-

(a) whether it is fact that water accumulates during rainy season in Dighal and Gangtanj Villages of district Jhajjar; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to drain out the water of the aforesaid villages?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) गांव डीघल तथा गंगतान से वर्शा का पानी बहराना माइनर की आर0 डी0 7462/दाएं आर0 डी0 17238 दाएं आर0 डी0 25923/दाएं पर लगाए गए पप्पों से सन्तोशजनक ढंग से निकाला जाता है।

Shortage of Teachers in Government Schools

720. Sh. Ram Phal Kundu: Will the Minister for Education be pleased to state

(a) whether it is a fact that there is shortage to teaching staff in Government Primary Schools and Government

Middle Schools for Boys and Girls, separately, at present in Safidon Constuency; and

(b) if so, the name thereof together with time by which the aforesaid shortage of teachrs is likely to be met out?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) जी हां, सफीदों निर्वाचित क्षेत्र में 11 राजकीय प्राथमिक पाठ ाालाओ, एक राजकीय कन्या प्राथमिक पाठ ाला तथा तीन माध्यमिक विद्यालयों में स्टाफ की कमी है:–

(ख) नि विद्यालयौं में स्टाफ की कमी है उनके नाम इस प्रकार है:–

1.	राजकीय प्राथमिक पाठ ाला, मुआना।
2.	राजकीय प्राथमिक पाठ ाला, खड़क गागर।
3.	राजकीय प्राथमिक पाठ ाला, करसिन्धु।
4.	राजकीय प्राथमिक पाठ ाला, डेरा चठा।
5.	राजकीय प्राथमिक पाठ ाला, डेरा मलियान वाला।
6.	राजकीय प्राथमिक पाठ ाला, डेरा बढ़ावा सिंह।

7.	राजकीय प्राथमिक पाठ ााला, डिडवाड़ा।
8.	राजकीय प्राथमिक पाठ ााला, मलिकपुर।
9.	राजकीय प्राथमिक पाठ ााला, बरौद।
10.	राजकीय प्राथमिक पाठ ााला, धर्मगढ।
11.	राजकीय प्राथमिक पाठ ााला, मलार।
12.	राजकीय प्राथमिक पाठ ााला, मुआना
13	राजकीय माध्यमिक पाठ ााला, डिडवाड़ा
14.	राजकीय माध्यमिक पाठ ााला, धर्मगढ़।
15.	राजकीय माध्यमिक पाठ ााला, गंगौली

स्टाफ की कमी को जल्दी ही पूर्ण कर लिया जाएगा।

Opening of P.H.C. in Bahadurgard

733. Shri Nafe Singh Rathee: Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Government

dispensary/PHC across the Railway Line Colony of Bahadurgarh City; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materalsed?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन):

(क) जी नही।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नही होता।

F.T.I.R. Spectometer

750. Shri Jai Singh Rana: Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) Whether the F.T.I.R. spectomerter was purchased for the Pesticide Laboratory, Karnal, during the year 1992-93 or 1993-94 and

(b) whether the instrument referred to in part (a) above lying out of order since when it was purchased?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल):

(क) इस उपकरण की खरीद वर्श 1993–94 के दौरान की गई थी।

(ख) इस उपकरण का सफलतापूर्वक प्रद र्न दिनांक 30.4.94 को आयोजित किया गया था। फिर भी इसके बाद कोई नमूना वि लेशित नही किया जा सका क्योंकि इस म ीन का एक

पूर्जा जिसका नाम विन्डो है आर्द्रता सोखने के कारण खराब हो गया।

विभिन्न मामलों/ध्यानाकर्शक प्रस्तावों की सूचनाओं/नियम 84 के अधीन प्रस्ताव का उठाना

श्री ओम प्रका ा चौटाला (रोड़ी): अध्यक्ष महोदय, 27 तारीख को हमारी पार्टी से पेहवा के विधायक श्री जसविंन्द्र सिंह जी ने कृपाण के मुदे को आपके नोटिस में लाया था। अध्यक्ष महोदय, एक विजिटर कृपाण लेकर आ रहा था और आपके बांच एंड वार्ड स्टाफ ने उसको रोका था। आपने उस बारे में चैम्बर में कहा था कि कृपाण अलाउड नही है। मै आपको बताना चाहूंगा कि भारतीय संविधान के मुताबिक कृपाण उलाडर है। अध्यक्ष महोदय, जब इस बारे में सदन में चर्चा हुई थी तो आपने इस बारे में अपनी रूलिंग देने के लिए कहा था।

श्री अध्यक्षः मैने रूलिंग देने के लिए नहीं कहा था। I had requested the Hon' ble Member to see me in my Chamber but he did not come. Now. please take your seat.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह व्यवस्था का प्र न है। यह जो हो रहा है यह भारतीय सविधान के खिलाफ है। इसके तहत मै आपको यह बताऊं चाहे आप बाद में कुछ भी फैसला दें आपको भी सविधान को धारा 395 (A) तहत जेल हो सकती है।.....

श्री अध्यक्षः यह जो चौटाला साहब बोल रहे हैं that should not be recorded. आप यहां का रूल नम्बर 113 देखे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला.....

श्री अध्यक्षः यह जो चौटाला साहब बोल रहे है इसको रिकार्ड नहीं किया जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः.....

Mr. Speaker: I warn you. Please take your seat.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः.....

Mr. Speaker: I again warn you and request you to take your seat.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः.....

श्री अध्यक्षः हम ने लोक सभा से टैलिफोन पर पता किया है कि वे एम0 पीज0 को 6 इंच की कृपाण के साथ सदन में जाने के लिए उलाउ करते है। जहां तक विजिटर का ताल्लुक है, इस बात के लिए हम लोक सभा से सुनि चत कर रहे हैं कि क्या वहां पर विजिसटर को कृपाण ले जाना अलाउ है या नहीं है। जो भी प्रथा वहां पर होगी, उसी प्रथा को हम यहां पर अलाउ कर देंगे। (विघ्न) Don't waste the time of the House. Please take your seat. (Interruptions) Nothing to be recorded.

वाक–आउट

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अगर माइनोरिटिज के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाएगा और हमें इस बारे में बोलने नहीं दिया जाएगा तो हम इसके प्रोटैस्ट में वाक–आउट करते है।

(इस समय सदन में उपस्थित लोक दल(राश्ट्रीय) के सभी सदस्य एक द र्ाक को कृपाण के साथ सदन में प्रवे ा करने के लिए अनुमति न दिए जाने के विरूद्ध विरोध के रूप में सदन में वाक आउट कर गए)

विभिन्न मामलों/ध्यानाकर्शणा प्रस्तावों की सूचनाओं/नियम 84 के अधीन प्रस्ताव का उठाना (पुनराम्भ)

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी): अध्यक्ष महोदय, लिसाना गांव के नजदीक महावीर सिंह का पैट्रोल पप्प चौथी बार लूटा गया है। तीन हफते पहले से सती ा जैन नामक व्यक्ति का पैट्रोल पम्प लूटा गया था। महावीर सिंह का पैट्रोल पम्प परसों चौथी बार लूटा गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, वहां पर तीन लूटेरे आए और उस पैट्रोल पम्प के खजान्वी के मुंह पर गोली मारकर वहां से 50000 रूपय लूट कर ले गए। गृह मंत्री जी इस बारे में आ वासन दे कि दोबारा से ऐसी कोई घटना नहीं होगी। उस पैट्रोल पम्प पर लगातार चार वार लूट–पाट की जाए और कई भी आज तक पकड़ा न जाए तो इससे बुरी बात और क्या होगी?

पहले यहां जो माफिया की बात चली थी आज वह आपके समाने आ गई है। अध्यक्ष महोदय, आप गृह मंत्री जी से कहें कि अगर इस प्रकार की घटनाएं दिन में वक्त होगी तो कैसे काम चलेगा। गृह मंत्री जी इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे है। (विघ्न) यह लिसाना गांव रिवाड़ी के नजदीक झज्जर रोड पर है। वहां पर यह चौथी बारदात हुई है इससे पहले तीन हफ्ते पूर्व भी यह पैट्रौल पम्प लूटा गया था। (विघ्न) गृह मंत्री जी इसके बारे में कोई आ वासन दे। लेकिन ये तो बातों में लग रहे है और इस बारे में कई भी जवाब नहीं दे रहे है।

श्री खु र्शीद अहमदः अध्यक्ष महोदय, उस पैट्रोल पम्प पर एक बार नहीं बल्कि चार बार बारदाते हुई है। पांचवीं बार वहां ऐसा न हो, यह बात ऐ ाोयर की जाए।

श्री अध्यक्षः खु र्शीद अहमद जी, आप बैठे। कैप्टन साहब ने अपनी बात कह दी है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, इसको हम अच्छी तरह दिखना लेंगे और आनरेबल मैम्बर की तसल्ली भी करा देगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैने आज सुबह एक कालिंग अटै ान मो ान आपको दिया था। यह मो ान हरियाणा प्रान्त में कोपरोटिव सैक्टर में ट्रांसपोर्ट सोसायटीज के बारे में है। इन कोपरेटिव ट्रांसपोर्ट सोसयटीज को तकरीबन एक

हजार लाईसैंस दिए गये थे और इनमें से 85 परसैट सोसायटीज ऐसी है। जिनको पांच–पांच बेरोजगार नवयुवको ने बनाया था, आज भी मुनाफे में नहीं बल्कि टोटे में चल रही है। 82 ऐसी बसिज है जो आज खड़ी हैं क्यौकि ये सरकारी ऐजोंसिज द्वारा पकड़कर लायी गयी है। इन लोगों के सहकारी बैकों के लाखों रूपये 17 या 18 परसैंट ब्याज की दर से देय है। अध्यक्ष महोदय, अगर प्रतिदिन के हिसाब से इसका खर्चा लगाया जाए तो हर बस के पास ऐसे रूट मिलेंगे जो कि मुनाफे का सौदा नही है।

श्री अध्यक्षः आपका यह मो ान आज ही मेरे औफिस को 8.30 बजे मिला है और वह डिस अलाऊ हो गया है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया एवं संचालन के नियम 84 के तहत हमने एक मो ान आपके नोटिस में दिया था जोकि माइनोरिटी कमी ान की रिपोर्ट डिसकस करने के बारे में था।

श्री अध्यक्षः रूल 84 के तहत आपका यह मो ान मेरे औफिस में सुबह 8.30 बजे ही आया है और यह डिस–अलाऊ हो गया है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कल तो सै ान भी नही होगा।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। अब ये जो भी इस बारे में बोल रहे है उसको रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: सर,.....

Mr. Speaker: Please take your seat.

Shri Om Parkash Chautala: Sir,

Mr. Speaker: Mr. Chautala Ji I request you to please take your seat. (Noise & Interruptions) You are not allowed to speak. Please take your seat.

श्री जयबिन्द्र सिह सिंधु: अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि अकेला मैम्बर हूं। आप मेरी बात दो मिनट सुन लें। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आपका फर्ज है कि मेरी बात को सूनें। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Jaswinder Singh Ji. please sit down. (Noise & Interruptions) Jaswinder Singh Ji, I warn you.

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु: अध्यक्ष महोदय, मुझे आप बोलने का मौका दें। (ाोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker: I will have to name you. (Noise & Interruptions)

(इस समय हरियाणा लोकदल राश्ट्रीय के सदस्य श्री जयविन्द्र सिंह सिंधु जोर–जोर से बोलते हुए हाउस की वैल में आ गए)

Mr. Speaker: I warn you to take your seat. otherwise I will have to name you. (Noise & Interrptions) I request you to take your seat.

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः अध्यक्ष महोदय, मै अकेला सदस्य हूं मुझे आप इस बारे आ वासन दें।

Mr. Speaker: No, I do not assure you. Please take your seat.

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, जीरो ऑवर में जसविन्द्र सिंह जी को अपनी भावना व्यक्त करने का अवसर दें। भावना वक्त करने देने में नुकसान क्या है? (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, आप बैठे जाइए। (ाोर एवं व्यवधान) मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है, पुनः अपील है कि हाउस को ठीक से चलने दें।

Shri Jaswider Singh Sindhu: Sir.....

Mr. Speaker: I would request you to please take your seat. (Noise & Interruptions)

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): स्पीकर सर, यह सुनना ही चाहते क्योंकि इनके पास कोई मुदा तो नही। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अगर चौटाला साहब सदन में जाना चाहते है तो यह उनकी अपनी मर्जी है। लेकिन इस सदन को में एक बताना चाहता हूं कि बजट पर 14 घण्टे बहस हुई और डिमाण्डज पर 5.55 घण्टे बहस हुई है। इस दौरान अगर सबसे ज्यादा बोलने के लिए सभी सदस्यों को समय नहीं दिया हो तो आप रिकार्ड देख सकते है। इतना ज्यादा समय तो चौटाला साहब जब स्वयं

मुख्यमंत्री थे तब भी नही दिया होगा। Now I Shri Karan Singh Dalal to speak.

ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय,.....

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरी एक सबमि ान है कि चौटाला साहब, ने इस सदन में अल्पसंख्यकों की बात कहकर जनता को भड़काने को भड़काने की कोि ा ा की है। उस बात को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री अध्यक्ष: चौटाला साहब ने जो अब तक अल्पसंख्यको के बारे में बात कही है उसको सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए। मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि धीरपाल सिंह जी जैसे सीनियर मैम्बर भी बैठे–बैठे बोले जा रहे है।

सदस्य का नाम लेना

Shri Jaswinder Singh Sindhu: Sir.....

Mr. Speaker: I request Mr. Jaswinder Singh to take his seat. otherwise I am going to name him. (Noise & Interruptions)

श्री धीरपाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैने तो यह कहा है कि हमारी सारी कार्यवाही एक्सपज कर दी गई है। (विघ्न)

Shri Jaswinder Singh Sindhu: Sir....

Mr. Speaker: I name Shir Jaswinder Singh and request him to leave the House.

Shri Jaswainder Singh Sindhu: Sir……

Mr. Speaker: You have been named and I request you to leave the House.

वाक–आउट

Shri Om Parkash Chautala: Sir as a protest. we stage a walk out.

(At this stage all the members of Haryana Lok Dal (Rashuriya) Party staged a walk out as a protest against not haveing been allowed to speak and naming Shri Jaswider Singh Sindhu)

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now the Minister of State for Parliamentary Affairs will move the motion under Rule 15.

Minister of State for Parliamenty Affairs (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That the proceding on the items of business fixed for today be exempted at the day' s sitting from the provisions of the Rule Sittigs of the Assembly indefintely.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the proceding on the items of business fixed for today be exempted at the day' s sitting from the provisions of the Rule Sittigs of the Assembly indefintely.

Mr. Speaker: Question is-

That the proceding on the items of business fixed for today be exempted at the day' s sitting from the provisions of the Rule Sittigs of the Assembly indefintely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now the Minister of State for Parliamentary Affairs will move the motion under Rule 16.

Minister of State for Parliamenty Affairs (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned Sine die.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned Sine die.

Mr. Speaker: Question is-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned Sine die.

The motion was carried.

वाक–आउट

(when motions under Rule 15 and 16 were being put and carried all the members of the Haryana Lok Dal (Rashtriya) Party present in the House rose in their seats and

wanted to speak. The Speaker did not allow them to speak and observed that the zero hour was over).

श्री ओम प्रका ा चौटालाः आप हमें बोलने के लिए समय ही नहीं दें रहे, इसलिए हम वाक–आउट करते है।

(At this stage all the members of the Haryana Lok Dal (Rashtriya) Party staged a walk out as a protest against not having been to speak and raise other matters in the zero hour)

सदन की मेज पर रखे गये कागज–पत्र

Mr. Speaker: Now the Minister of State for Parliamentary Affairs will lay papers on the Table of the House.

Minister of State for Parliamentary Affairs (Shri Affar Singh Singh Saini): Sir, I beg to lay on the Table the Grant Utilization Certificate and Audit Report for the year 1995-96 of the Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural Univiversity, Hisar as requered under section 34 (5) of the Haryana and Punjab Agriculure Universities Act, 1970.

विधान कार्य–

1. हरियाणा विनियोग (सं0 3) विधेयक, 1998

Mr. Speaker: Now the Finiance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No-3) Bill 1998 and he will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Shri Charan Dass): Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No.3) Bill 1998.

Sir, I also move-

That the Haryana Appropriation (No.3)Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Appropriation (No.3)Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Appropriation (No.3)Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Spaeker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The motion was carried.

Schedule

Mr. Spaeker: Question is-

That the Schedule be the Schedule of the Bill

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Spaeker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Spaeker: Now the Finance Minister to move that the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Charan Dass) Sir, I beg to move-

That the bill passed

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The Motion was carried.

The motion was carried.

2. हरियाणा विनियोग (सं 4) विधेयक,1998

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 4) Bill 1998 and be will also move the motion for its consideration.

Finace Minister (Shri Charan Dass): Sir, I beg to untroduce the Haryana Appropriation (No. 4) Bill. 1998.

Sir, I also move-

That the Haryana Appropriation (No.4) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Appropriation (No.4) Bill be taken into consideration at once.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना): स्पीकर सर, 1998 का जो स्प्रोप्रिर ान बिल मंत्री जी ने इस सदन की समीक्षा के लिए प्रस्तुत किया है, इसमे में सबसे पहले तो होम के मामले की चर्चा करना चाहूंगा। जहां इस सदन के सदस्यों ने इस बात की चर्चा की है कि किस प्रकार से हरियाणा अपराधो के मामले में दिन प्रतिदिन चहूंमुखी प्रगति करता जा रहा है। मैने आपके माध्यम से और आपकी इजाजत पार्लियामैंट्री एफेयर्ज मिनिस्टर और गृह मंत्री जी को 47 ऐसे मुकद्मो की लिस्ट दी थी जो कि मौजूदा सरकार के द्वारा वापिस ले लिए गए थे।

Mr. Speaker: Mr. Surjewala you are going to repeat the snme thing. which you have spoken on the Budget. (Interruptions)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: पालियामैट्री एफेयर्ज मिनिस्टर और गृह मंत्री जी ने मुझे कहा था कि इन मुकद्मों की जांच करके दोबारा वे इस हाउस में इस बारे में स्टेटमैट देंगे। ये इसलिए नही बता रहे हैं क्योंकि इनमें से 2 मुकद्मे इनके खिलाफ भी है।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सुरजेवाला जी की तो पिछले कई दिनों से जो मुकद्मे वापिस लिए गये है, उनकी चिन्ता हो रही है। पिछले दिनों जब कांग्रेस का राज था, इनके पिता इस सदन के सदस्य थे, ये भाायद उन दिनों को भूल गए है। ये जिस पार्टी से सम्बध रखते

है, इनकी पार्टी का राज होते हुए भी इनके पिता और इनके साथ पिछली सरकार ने क्या किया था? (ाोर) जब इनकी पार्टी का राज था आप और हम सब विपक्ष में बैठा करते थे, इनकी पार्टी के लोग हमारे प्रति कितना द्वेश भाव रखते थे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, अभी तो मैने अपनी बात कही भी नही है।

Mr. Speaker: Mr. Surjewala, you please take your seat. (Interruptions)

श्री कर्ण सिंह दलालः जब इनकी पार्टी की सरकार थी तो इनके काले कारनामों के विरूद्ध आवाज उठाने पर हमारे खिलाफ झूठे मुकद्मे दायर किए गए। हमारी तरह जो और भोले भोले लोग थे जिन्होंने इनकी पार्टी के लोगों और मुख्यमंत्री के खिलाफ आवाज उठाई, उनके खिलाफ झूठे मुकद्में दायर किए गए और जो भी गलत कार्यवाहियां उनसे हो सकती थी इन्होंने वह सब की। इनकी अपने किए गए कार्यो पर भार्मिन्दगी होनी चाहिए। उस समय लोगों पर जो झूठे मुकद्में बनाए गए थे और गलत कार्यवाहियां करके जो झूठे केस बनाए गए थे, वे केस हमारी सरकार ने वापिस ले लिए।

11.00 बजे

श्रीमति करतार देवीः स्पीकर साहब, मेरा प्लायंट ऑफ आर्डर है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः बहन जी, क्या प्वायंट ऑफ आर्डर पर प्वायंट आफ आर्डर होता है? आप कृपया बैठ जाए। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप बहन जी का प्वायंट ऑफ आर्डर तो सुन ले।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप पढ़े लिखे है और वकील भी है इसलिए आपको पता होना चाहिए कि प्वांयट ऑफ आर्डर पर प्वांयट ऑफ नही होता। इसमें आपको इनकी वकालत करने की जरूरत नहीं है। (ाोर)

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): मै आपको जवाब दे देता हूं आप कृपया करके मेरा जवाब सुन लें। माननीय सदस्य श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने यह बात कही कि उन्होंने हाउस की टेबल पर उन 47 केसिज की लिस्ट रख दी थी। (ाोर)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैने यह नही कहा कि मैने वह लिस्ट हाउस की टेबल पर रख दी थी मैने तो यह कहा था कि मैने वह लिस्ट माननीय गृह मंत्री जी को भिजवा दी थी।

Shri Mani Ram Godara: I have not received that list as yet. आप मुझे वह लिस्ट दे दें। (ाोर)

(इस समय माननीय सदस्य श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा एक लिस्ट माननीय गृह मंत्री जी को दी गई।)

श्री मनी राम गोदाराः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा की सारी जनता है और केवल हरियाणा की जनता ही नहीं ही नही ख्याल में सारा दे ा जानता है कि ये जितने भी झूठे मुकदमें बने जिनकी बाबत सुरजेवाला जी जानना चाहते है और यह भाई उनका जबाब सुनने के लिए बहुत एंकि ायस है, सारे हिन्दुस्तान की जनता जानती है और उनके बारे में हरियाणा प्रदे ा का बच्चा जानता है कि पोलिटिकल बिनाह पर वे मुकदमे बनाए गए। श्री ओ0 पी0 जिन्दल जो पार्लियमैंट के मैम्बर रहे है और उस वक्त थे इस असैम्बली के मैम्बर भी थे वे हिन्दुस्तान के अन्दर इंडस्ट्रीज के अन्दर आठवें नम्बर पर गिने जाते थे और आज भी जाते है उनके 18 आदमियों पर, जिनके अन्दर एक बाइस एडमिरल भी थे, झूठे टाडा के मुकद्मे बनाए गए और उन पर टाडा के मुकदमें बना कर उनको एक कोठड़ी के अंदर रखा गया। जिस वक्त पार्लियामैंट के अन्दर टाडा के रिन्यूअल की बात चल रही थी उस वक्त हमारे हिन्दुस्तान के एक्स होम मिनिस्टर श्री इन्द्रजीत गुप्त ने कहा था कि मै सब कुछ मान सकता हूं लेकिन मैं यह नही मानता कि श्री ओ0 पी0 जिन्दल पर टाडा का मुकदमा बने और हम इस टाडा की रिन्यूअल कर दें यानि उस वक्त पार्लियामैंट में भी उस महान आदमी के ये भाब्द थे।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, इन्द्रजीत गुप्ता ही नही बल्कि इही की पार्टी के होम मिनिस्टर श्री एस0 बी0

चढ्ढावान ने भी यह कहा था कि हम इस टाडा को अवमैप्ट नही करते।

श्री मनी राम गोदाराः स्पीकर साहब, इन्होंने 70 आदमियों के खिलाफ टाडा के मुकद्मे बनाये थे। यदि में एक–एक का जबाब दूंगा तो बहुत समय लग जाएगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः आप हमें बात तो कहने का मौका दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी को मौका दिया जा चुका है।

This is all mere repetion.

Question is-

That the Haryana Apporition (No.4) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Spaeker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The motion was carried.

Schedule

Mr. Spaeker: Question is-

That the Schedule be the Schedule of the Bill

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Spaeker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

वाक–आउट

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अगर आप हमें बोलने को टाईम नहीं दे रहे हैं तो हम सदन से वाक–आउट करते है।

(At this stage all the members of the Haryana Lok Dal (Rashtriya) Party and the Indian National Congress Party, present in the House, staged a walk out as a protest against not having been allowed to speak on Clauses.)

विधान कार्य

2. हरियाणा विनियोग (सं 4) विधेयक, 1998 (पुनरारम्भ)

Mr. Spaeker: Now the Finance Minister to move that the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Charan Dass) Sir, I beg to move-

That the bill passed

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The Motion was carried.

The motion was carried.

3. हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष वेतन तथा भता (सं ोधन) विधेयक,1998

Mr. Speaker: Now the Chief Minister will introduce the Haryana Legslative Assembly Speaker's and Deputy Speaker Salaries and Allowances (Amendment) Bill 1998. He will also move the motion for its consideration.

Shri Bansi Lal (Chief Minister): Sir, I introduce the Haryana Legislative Assembly Speaker, s and Deputy Speuty Speaker Salaries and Allowances (Amendment) Bill 1998.

Sir, I also move-

That the Haryana Legislative Assembly Speaker, s and Deputy Speuty Speaker Salaries and Allowances (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly Speaker, s and Deputy Speuty Speaker Salaries and Allowances (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

श्री धर्मबीर गवा (गुड़गाव) अध्यक्ष महोदय, जो बिल आज लाये गये है, हालांकि मै अपोजि ान में बैठा हुआ हूं फिर भी इन बिलों के लिए मै मुख्य मंत्री महोदय, को धन्यवाद देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, अब एम0 एल0 ए0 की जोब पार्ट टाईम नही रह गई है यह फूल टाईम हो गई है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन सब बिलौं को यूनानीमसली पास कर लिया जाए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना): अध्यक्ष महोदय, पूरे विपक्ष की ओर से और दल की ओर से, अपनी आवाज श्री धर्मबीर गावा के साथ मिलाकर जोर से हम सदन के नेता का धन्यवाद करते है और मै निवेदन करता हूं कि इन बिलों को हाउस मे यूनानीमसली पास कर दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, सदन के अन्दर मै अपना एक सुजै ान और रखना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, हमारे पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदे ा और पंजाब मे एम0 एल0 ऐज0 को एक जीप, ड्राइवर और कुछ रा ि ा दी गई है, क्या हरियाणा सरकार इस बारे में विचार करेगी? (विघ्न)

Mr. Speaker: Question is –

That the Haryana Legislative Assembly Speaker, s and Deputy Speuty Speaker Salaries and Allowances (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Spaeker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Spaeker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Spaeker: Now the Chief Minister to move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) Sir, I beg to move-

That the bill passed

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

4. हरियाणा मंत्री वेतन और भत्ता (संशोधन) विधेयक, 1998

Mr. Speaker: Now the Chief Minister will introduce the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill 1998. He will also move the motion for its consideration.

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Sir, I introduce the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill 1998.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is –

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Spaeker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Spaeker: Now the Chief Minister to move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) Sir, I beg to move-

That the bill passed

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

5. हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा) संशोधन विधेयक, 1998

Mr. Speaker: Now the Chief Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members)

Amendment Bill 1998. He will also move the motion for its consideration.

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Sir, I introduce the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill 1998.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

श्री धीरपाल सिंह (बादली): स्पीकर सर, मुख्य मंत्री महोदय, मैम्बर्ज को दी जाने वाली सुविधाओं बाला जो सं ाोधन बिल लाएं है उसमें मेरा एक सं ाोधन है। इस माननीय हाउस में 51 सदस्य ऐसे है जो कि पहले ही सदस्य थे और दोबारा चुन कर आए है। उन में से ज्यादातर ने कार लोन पहले ही लिया हुआ है इसलिए वे इस सुविधा से वंचित रह जाएंगे।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): स्पीकर सर, मै इस बात को क्लीयर कर देता हूं। एक्ट में प्रोविजन यह है कि एक टैन्योर में पांच साल में मैम्बर एक बार लोन ले सकता है। यह लोन पहले दो लाख रूपये था। इस बारे में हम ने एल0 आर0 साहब से अच्छी तरह डिस्कस कर लिया है, इन एडी ान टू दैट यह 4 लाख ले सकता है जैसे ही असैंट ऑफ दि गवर्नर साहब आ जाएगी।

श्री धीरपाल सिंहः क्या पहले वाला लोन जमा करवा कर ले सकता है?

श्री बंसी लालः जी नही, दो में चार और एड कर लो।

श्री धीरपाल सिंहः थैक यू, जी।

Mr. Speaker: Question is –

That the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Spaeker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Spaeker: Now the Chief Minister to move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) Sir, I beg to move-

That the bill passed

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

6. हरियाणा विधान सभा (सदस्य भत्ता तथा पैंशन) संशोधन विधेयक, 1998

Mr. Speaker: Now the Chief Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of

Members) Amendment Bill1998. He will also move the motion for its consideration.

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Sir, I introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill1998.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Billbe taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Billbe taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is –

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Billbe taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 4 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 5

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 5 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 6 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Spaeker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Spaeker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Spaeker: Now the Chief Minister to move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Sir, I beg to move-

That the bill passed

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now I thanks all the Hon'ble Members of this House and now the House stands adjourned sine-die.

***11.26 hrs.**

(The Sabha then *Adjourned sine-die).